**प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2024-25**
**हिंदी (ऐच्छिक)**
**कोड संख्या (002)**
**कक्षा – बारहवीं**

**निर्धारित समय : 03 घंटे** **पूर्णांक : 80 अंक**

**सामान्य निर्देश –**

- इस प्रश्न–पत्र में तीन खंड हैं – **खंड- क, ख और ग ।**
- दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- तीनों खंडों के कुल 13 प्रश्न हैं। तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

| **प्रश्न** | **खंड – क (अपठित बोध)** | **अंक** |
|---|---|---|
| 1. | निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 10 |
| | आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।ज़िंदगी की दो सूरतें हैं। एक तो यह कि आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएँ कदम-कदम पर जोश की रोशनी के साथ अँधियाली का जाल बुन रही हों, तब भी यह पाँव पीछे न हटाए। दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और न जिन्हें बहुत अधिक दुख पाने का ही संयोग है, क्योंकि वे आत्माएँ ऐसी गोधूलि में बसती हैं, जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज़ सुनाई पड़ती है। इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं, वे ज़िंदगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते।<br><br>साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान | |

| | | |
|---|---|---|
| | यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं।साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है।<br>साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।<br>झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिलकुल अकेला होने पर भी मगन रहता है।<br>(हिम्मत और ज़िंदगी: रामधारी सिंह 'दिनकर') | |
| (क) | "गोधूलि वाली दुनिया के लोगो से अभिप्राय ऐसे लोगों से है जो -.......................।<br>उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए ।<br>i. विवशता और अभाव में जीते हैं ।<br>ii. जीवन को दाँव पर लगा देते हैं ।<br>iii. फल की कामना नहीं करते हैं ।<br>iv. जय-पराजय के अनुभव से परे होते हैं । | 1 |
| (ख) | निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।<br><br>**कथन** – जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है।<br>**कारण** – साहसी व्यक्ति लीक से हटकर अपनी आवश्यकता एवं लक्ष्य के अनुरूप मार्ग का अनुसरण करता है, इसके माध्यम से वह लोगों में नई चेतना जगाता है। | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।<br>ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।<br>iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।<br>iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। | |
| (ग) | "साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।" इस कथन के माध्यम से लेखक ………………….. का संदेश देना चाहते हैं।<br>i. सदाचार<br>ii. स्वावलंबन<br>iii. निलंबन<br>iv. मिथ्याचार | 1 |
| (घ) | कौन-से लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं? | 1 |
| (ङ) | 'आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।'आशय स्पष्ट कीजिए। | 2 |
| (च) | ज़िंदगी की दोनों स्थितियों में से कौन–सी उचित है? कारण सहित लिखिए । | 2 |
| (छ) | लेखक द्वारा अकेले चलने वाले की तुलना सिंह से किए जाने का औचित्य सिद्ध कीजिए । | 2 |
| 2. | निम्नलिखित कविता के अंश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– | 8 |
| | बाधाएँ आती हैं आएँ<br>घिरें प्रलय की घोर घटाएँ,<br>पावों के नीचे अंगारे,<br>सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,<br>निज हाथों से हँसते-हँसते,<br>आग लगाकर जलना होगा।<br>कदम मिलाकर चलना होगा।<br>उजियारे में, अंधकार में,<br>कल कछार में, बीच धार में, | |

| | | |
|---|---|---|
| | घोर घृणा में,पूत प्यार में,<br>क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में<br>जीवन के शत-शत आकर्षक<br>अरमानों को दलना होगा।<br>कदम मिलकर चलना होगा।<br>सम्मुख फैला अमर ध्येय पथ<br>प्रगति चिरंतन कैसा इति अथ<br>सुस्मित हर्षित कैसा श्रम श्लथ<br>असफल, सफल समान मनोरथ,<br>सब कुछ देकर कुछ न माँगते,<br>पावस बनकर ढलना होगा।<br>कदम मिलाकर चलना होगा।<br>कुश काँटों से सज्जित जीवन ,<br>प्रखर प्यार से वंचित यौवन,<br>नीरवता से मुखरित मधुवन,<br>परहित हर्षित अपना तन-मन, | |
| (क) | 'सिर पर ज्वालाएँ बरसने' से क्या आशय है?<br>i. सिर पर आग बरसाना<br>ii. सामने कठिनाई होना<br>iii. खतरों से खेलना<br>iv. सामने आग होना | 1 |
| (ख) | सुस्मित हर्षित कैसा श्रम श्लथ - पंक्ति में 'श्लथ' का क्या अर्थ है?<br>i. बेहोश<br>ii. ऊर्जावान<br>iii. थका हुआ | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | iv. पसीना | |
| (ग) | 'कदम मिलाकर चलना होगा' – कविता के केंद्रीय भाव को दर्शाने वाले कथन है /हैं –<br><br>I. निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा<br>II. जीवन के कष्टों से ना घबराना<br>III. घृणा को सर्वोपरि समझना<br><br>i. केवल (I)<br>ii. केवल (II)<br>iii. (I) और (II)<br>iv. (II) और (III) | 1 |
| (घ) | कवि ने किस प्रकार की विपत्तियों में हँसते-हँसते आगे बढ़ने की बात कही है? | 1 |
| (ङ) | कवि ने 'परहित अर्पित अपना तन-मन' क्यों कहा है? अपने विचार प्रकट कीजिए। | 2 |
| (च) | कवि ने हमें 'पावस' बनने को क्यों कहा है? | 2 |
| | **खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर )** | |
| 3. | निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - | |
| (क) | संपादकीय लेखन से क्या तात्पर्य है? (शब्द सीमा - लगभग 20 शब्द) | 1 |
| (ख) | रेडियो के लिए समाचार कॉपी तैयार करते हुए किन बुनियादी बातों का ध्यान रखना चाहिए? किन्हीं दो का वर्णन कीजिए। (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द) | 2 |
| (ग) | मीडिया जगत में फ्रीलांसर की भूमिका का उल्लेख कीजिए। (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द) | 2 |
| 4. | निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए - | 2x3=6 |
| (क) | समाचार लेखन की शैली का विस्तृत परिचय दीजिए। | 3 |
| (ख) | अच्छे फीचर लेखन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। | 3 |
| (ग) | बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में अंतर स्पष्ट कीजिए। | 3 |
| 5. | निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – | 5 |

| | | |
|---|---|---|
| (क) | जैसे ही मैंने नदी के शीतल जल को छुआ | |
| (ख) | मेरी जीप के सामने अचानक शेर आ गया | |
| (ग) | देश के प्रति मेरा कर्तव्य यह है.. | |
| 6. | निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- | 2x3=6 |
| (क) | "वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान।" काव्य पंक्ति के माध्यम से कविता लेखन के संदर्भ में उजागर होने वाले बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। | 3 |
| (ख) | रंगमंच प्रतिरोध का सशक्त माध्यम है। सिद्ध कीजिए। | 3 |
| (ग) | कहानी के संदर्भ में लिखिए कि द्वंद्व से क्या अभिप्राय है? वह कहानी का महत्वपूर्ण तत्व क्यों है? | 3 |
| | **खंड- ग ( पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर )** | |
| 7. | निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए– | 5x1=5 |
| | सुनते हैं मिट्टी में रस है जिससे उगती दूब है<br>अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है<br>आधे आधे गाने<br>तोड़ो तोड़ो तोड़ो<br>ये ऊसर बंजर तोड़ो<br>ये चरती परती तोड़ो<br>सब खेत बनाकर छोड़ो<br>मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को<br>हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को?<br>गोड़ो गोड़ो गोड़ो | |
| (क) | तोड़ो कविता का कवि मन में व्याप्त ऊब और खीज को तोड़ने की बात करता है क्योंकि वह............ का समर्थक है।<br>i. ऊसर<br>ii. विध्वंस | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | iii. सृजन<br>iv. कुंजन | |
| (ख) | निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।<br><br>**कथन**- सुनते हैं मिट्टी में रस है, जिसमें उगती दूब है।<br>**कारण**- मिट्टी में उर्वरा शक्ति है इसलिए उसमें से दूब उगती है।<br><br>i. कथन गलत है, किंतु कारण सही है।<br>ii. कथन और कारण दोनों गलत हैं।<br>iii. कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।<br>iv. कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है। | 1 |
| (ग) | 'आधे-आधे गाने' से कवि का तात्पर्य है-<br><br>i. आधे गीत का गायन<br>ii. मैदान का अधूरापन<br>iii. कवि का व्यथित हृदय<br>iv. अधूरी क्रियात्मक शक्ति | 1 |
| (घ) | मन की खीज से आशय है- मन की.................... ।<br><br>i. ईर्ष्या<br>ii. कड़वाहट<br>iii. झुंझलाहट<br>iv. व्यथा | 1 |
| (ङ) | कवि ने मानव मन की दशा बताई है/हैं –<br><br>**कथन 1**- धरती और मानव मन की दशा में समानता है।<br>**कथन 2**- मानव मन सदैव बुराई से आकर्षित होता है। | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | **कथन 3**- धरती के उपजाऊ तत्व पत्थर कंकड़ एवं मन के खीज, अनचाहे विचार हैं।<br><br>i. केवल कथन 1<br>ii. कथन 1 और 2<br>iii. केवल कथन 3<br>iv. कथन 2 और 3 | |
| 8. | काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- | 2x2=4 |
| (क) | 'मैंने देखा एक बूँद" कविता के संदर्भ में क्षण के महत्व को उजागर करते हुए कविता का मूल भाव लिखिए। | 2 |
| (ख) | 'कॉर्नेलिया का गीत' के आधार पर भारत की सांस्कृतिक विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए। | 2 |
| (ग) | कवि घनानंद ने किस प्रकार की पुकार से "कान खोलि है" की बात कही है? | 2 |
| 9. | निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। | 6 |
| (क) | आदमी दशाश्वमेध पर जाता है<br>और पाता है घाट का आखिरी पत्थर कुछ और मुलायम हो गया है<br>सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में<br>एक अजीब-सी नमी है<br>और एक अजीब सी चमक से भर उठा है भिखारियों के कटोरों का निचाट खालीपन<br>तुमने कभी देखा है<br>खाली कटोरों में वसंत का उतरना !<br>यह शहर इसी तरह खुलता है<br>इसी तरह भरता<br>और खाली होता है यह शहर | |
| | **अथवा** | |
| (ख) | सखि हे, कि पुछसि अनुभव मोए। | |

| | | |
|---|---|---|
| | सेह पिरिति अनुराग बखानिअ तिल तिल नूतन होए।।<br>जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल ।।<br>सेहो मधुर बोल स्रवनहि सूनल स्रुति पथ परस न गेल।।<br>कत मधु-जामिनि रभस गमाओलि न बूझल कइसन केलि ।।<br>लाख लाख जुग हिअ हिअ राखल तइओ हिअ जरनि न गेल।।<br>कत बिदगध जन रस अनुमोदए अनुभव काहु न पेख।।<br>विद्यापति कह प्रान जुड़ाइते लाखे न मीलल एक ।। | |
| 10. | निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए - | 5x1=5 |
| | यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है। इसीलिए यह इतना आकर्षक है। नाम है कि हजारों वर्ष से जीता चला आ रहा है। कितने नाम आए और गए। दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए। मगर कुटज है कि संस्कृति की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है। और रूप की तो बात ही क्या है! बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है। और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है। कितनी कठिन जीवनी-शक्ति है! प्राण ही प्राण को पुलकित करता है, जीवनी-शक्ति ही जीवनी-शक्ति को प्रेरणा देती है। | |
| (क) | कुटज द्वारा की गई घोषणा उसकी ..............................दर्शाती है।<br>i. जिज्ञासा<br>ii. जिजीविषा<br>iii. मुमूर्षा<br>iv. शुश्रुषा | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| (ख) | निम्नलिखित में से लेखक के अनुसार सबसे सही वाक्य चुनिए-<br>i. कठिन परिस्थितियों में भी जीना सीखें।<br>ii. रेगिस्तान में कुटज बहुतायत में पाया जाता है।<br>iii. केवल नाम के कारण ही जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त होती है।<br>iv. नि र्झर का बहता जल कुटज को भलीभांति सींचता है। | 1 |
| (ग) | निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार कीजिए और सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए-<br>**कथन -** कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है.<br>**कारण -** यमराज के क्रोध के कारण कुटज की जीवनीशक्ति कम हो जाती है जिसके कारण वह सूख जाता है।<br>i. कथन गलत है, किंतु कारण सही है।<br>ii. कथन और कारण दोनों गलत हैं।<br>iii. कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।<br>iv. कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है। | 1 |
| (घ) | गद्यांश में लेखक ने कुटज का ……………….. दर्शाया है।<br>i. स्वार्थ<br>ii. स्वाभिमान<br>iii. लालच<br>iv. कर्तव्य | 1 |
| (ङ) | मगर कुटज है कि संस्कृति की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है।<br>पंक्ति के माध्यम से लेखक संस्कृति के किस महत्त्व को उजागर करता है कि संस्कृति है – | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | i. अनवरत<br>ii. असहमत<br>iii. अप्राप्य<br>iv. अबोध | |
| 11 | गद्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- | 2x2=4 |
| (क) | अपने ही गाँव में पहुँचकर हरगोबिन के दिशा भ्रमित होने का कारण बताइए। | 2 |
| (ख) | गंगा तट पर उपस्थित स्वयंसेवकों का कार्य व्यवहार आज के युवा वर्ग को किस प्रकार प्रेरित करता है? | 2 |
| (ग) | 'कभी-कभी किसी इलाके की संपदा ही उसका अभिशाप बन जाती है।'स्पष्ट कीजिए। | 2 |
| 12. | निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। | 6 |
| (क) | यह पूछा गया कि तू क्या करेगा। बालक ने सीखा सिखाया उत्तर दिया कि मैं यावज्जन्म लोकसेवा करूँगा। सभा 'वाह-वाह' करती सुन रही थी, पिता का हृदय उल्लास से भर रहा था। एक वृद्ध महाशय ने उसके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद दिया और कहा कि जो तू इनाम माँगे वही दें। बालक कुछ सोचने लगा। पिता और अध्यापक इस चिंता में लगे कि देखें यह पढ़ाई का पुतला कौन-सी पुस्तक माँगता है। बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आँखों में दीख रही थी। कुछ खाँसकर, गला साफ़ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैंने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था। | |
| | **अथवा** | |
| (ख) | कुछ दिनों के बाद मैंने सुना कि शेर अहिंसा और सह-अस्तित्ववाद का बड़ा जबरदस्त समर्थक है इसलिए जंगली जानवरों का शिकार नहीं करता। मैं सोचने लगा, शायद शेर के पेट में वे सारी चीजें हैं जिनके लिए लोग वहाँ जाते हैं और मैं भी एक दिन शेर के पास | |

| | | |
|---|---|---|
| | गया। शेर आँखें बंद किए पड़ा था और उसका स्टाफ आफ़िस का काम निपटा रहा था।<br>मैंने वहाँ पूछा, "क्या यह सच है कि शेर साहब के पेट के अंदर, रोज़गार का दफ़्तर है?"<br>मैंने पूछा, "कैसे?"<br>बताया गया, "सब ऐसा ही मानते हैं।"<br>मैंने पूछा, "क्यों? क्या प्रमाण है?"<br>बताया गया, "प्रमाण से अधिक महत्त्वपूर्ण है विश्वास?"<br>मैंने कहा, "और यह बाहर जो रोजगार का दफ्तर है?" | |
| 13. | निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए। | 2x5=10 |
| (क) | तकनीकी और प्रौद्योगिकी विकास से ग्रामीण जीवन की संस्कृति कैसे नष्ट हो सकती है? 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए। | 5 |
| (ख) | 'सूरदास की झोपड़ी' के नायक की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि उसके व्यक्तित्व से आपको क्या प्रेरणा मिलती है। | 5 |
| (ग) | 'बिस्कोहर की माटी' पाठ का मूल कथ्य स्पष्ट कीजिए। | 5 |

>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>
>>>>>>

**अंक योजना**
**प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2024-25**
**हिंदी (ऐच्छिक)**
**कोड संख्या (002)**
**कक्षा–बारहवीं**

**निर्धारित समय: 03 घंटे** **पूर्णांक : 80 अंक**

| प्रश्न | खंड – क (अपठित बोध) | अंक |
|---|---|---|
| 1. (क) | ii. जीवन को दाँव पर लगा देते हैं । | 1 |
| (ख) | iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। | 1 |
| (ग) | ii. स्वावलंबन | 1 |
| (घ) | गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं। | 1 |
| (ङ) | साहस सभी प्रकार के गुणों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बिना किसी भी अन्य गुण का लगातार अभ्यास नहीं किया जा सकता। साहसी कभी भी परिस्थितियों से हार नहीं मानता। दुख-सुख दोनों में आगे बढ़ता रहता है। | 2 |
| (च) | ज़िंदगी की दोनों सूरतों में से दूसरी सूरत, जिसमें गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को खुशी प्रदान करने की कोशिश की जाती है,श्रेष्ठ है। जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए हर व्यक्ति प्रयास करता है और विपरीत परिस्थितियों का मुकाबला भी करता है, परंतु गरीब लोगों के सुख-दुख को अपना समझकर उनका साथ देते हैं और जो सभी नहीं कर पाते। | 2 |
| (छ) | लेखक ने अकेले चलने वाले की तुलना सिंह से इसलिए की है क्योंकि सिंह जंगल में अकेला निडर होकर घूमता है। वह भेड़ या भैंस की तरह जून में नहीं चलता। ठीक उसी प्रकार अकेले चलने वाला व्यक्ति भी बिलकुल निडर बिलकुल बेखौफ होता है। | 2 |
| 2. (क) | ii. सामने कठिनाई होना | 1 |
| (ख) | iii. थका हुआ | 1 |
| (ग) | iii. (I) और (II) | 1 |
| (घ) | कवि ने जीवन-पथ पर चलने के लिए सभी प्रकार की विपत्तियों में भी हमें हँसते-हँसते आगे बढ़ने की बात कही है। कवि कहता है कि अगर बाधाएँ आती हैं तो आएँ, भले ही चारों ओर विपत्तियों के बादल छा जाएँ, मगर हमें विचलित नहीं होना चाहिए। | 1 |
| (ङ) | कवि ने 'परहित अर्पित अपना तन-मन' इसलिए कहा है, क्योंकि मनुष्य का जीवन केवल स्वयं के लिए नहीं होता। परहित यानी | 2 |

| | | |
|---|---|---|
| | परोपकार में ही मनुष्य को परम आनंद प्राप्त होता है। कवि अपना तन मन दूसरों की भलाई के लिए अर्पित करना चाहता है।कवि ने व्यक्ति से बढ़कर समाज एवं राष्ट्र की कल्पना की है। | |
| (च) | पावस यानी वर्षा ऋतु धरती को जल से परिपूर्ण कर देती है, चारों तरफ खुशियाँ बिखेरती है। किसानों से लेकर प्रकृति के तमाम उपादान हर्षित हो जाते है। उसी प्रकार मनुस्य को भी दूसरों के लिए कुछ कर गुजरने की इच्छा होनी चाहिए। हमें दूसरों की सेवा और भलाई करनी चाहिए। | 2 |
| | **खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर )** | |
| 3.(क) | • संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेखन<br>• समाचार-पत्र की अपनी आवाज़ | 1 |
| (ख) | • साफ सुथरी टंकट प्रति<br>• पृष्ठ के अंत में कोई पंक्ति अधूरी न हो<br>• कठिन शब्दों से बचाव<br>• अंको (आँकड़ों/संख्याओं) का लेखन शब्दों में<br>• डेडलाइन, संदर्भ और संक्षिप्ताक्षर का सतर्कतापूर्ण प्रयोग | 2 |
| (ग) | • फ्रीलांस पत्रकार का संबंध किसी खास अखबार से नहीं<br>• भुगतान के आधार पर अलग-अलग वर्गों के लिए लेखन | 2 |
| 4. (क) | • उलटा पिरामिड शैली समाचार लेखन की सर्वाधिक लोकप्रिय उपयोगी और बुनियादी शैली<br>• इसमें इंट्रो, बॉडी और समापन के अनुसार क्लाइमेक्स आरंभ में | 2x3=6 |
| (ख) | • फ़ीचर लेखन का कोई निश्चित ढाँचा नहीं<br>• आमतौर पर तथ्यों, सूचनाओं और विचारों पर आधारित कथात्मक विवरण<br>• भाषा-सरल, रूपात्मक एवं आकर्षक<br>• फ़ीचर में भावनाओं, विचारों का सम्यक प्रयोग | |
| (ग) | बीट रिपोर्टिंग में संवाददाता को उस क्षेत्र की जानकारी होना आवश्यक<br><br>विशेषीकृत रिपोर्टिंग में संवाददाता को सामान्य समाचारों से आगे बढ़कर उस क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं , मुद्दों और समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण करना होता है। इसके कारण और प्रभाव भी बताने होते हैं। | |
| 5. | किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन -<br><br>• विषयवस्तु : 3 अंक<br>• भाषा : 1 अंक<br>• प्रस्तुति : 1अंक | 5 |
| 6. (क) | • कविता का भाव के साथ संबंध<br>• भाव का संबंध मनुष्य से | 2x3=6 |

| | | |
|---|---|---|
| | • भाव से ही संवेदना<br>• कविता के मूल में राग तत्व तथा भाव तत्व | |
| (ख) | रंगमंच जैसी विद्या का सृजन मूलतः अस्वीकार के भीतर से होता है। कोई भी दो चरित्र जब आपस में मिलते हैं, तो वैचारिक टकराहट भी उत्पन्न होती है। रंगमंच की प्रस्तुति द्वारा समाज के विभिन्न मुद्दों को प्रकाशित करते हुए लोगों को जागरूक किया जा सकता है। असंतुष्टि, अस्वीकार, छटपटाहट और प्रतिरोध जैसे नकारात्मक तत्वों की जितनी ज़्यादा उपस्थिति होगी नाटक उतना ही गहरा और सशक्त साबित होगा। | |
| (ग) | **द्वंद्व** – मन मस्तिष्क में उठने वाला वैचारिक मंथन, किसी काम में आने वाली बाधा, दो पात्रों का आपसी मतभेद<br>**महत्व –**<br>● द्वंद्व द्वारा कथानक को गति प्रदान करना<br>● द्वंद्व के कारण कहानी में रोचकता<br>● द्वंद्व के बिंदु जितने स्पष्ट, कहानी उतनी ही सफल | |
| | **खंड- ग ( पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर )** | |
| 7. (क) | iii. सृजन | 1 |
| (ख) | iv. कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है। | 1 |
| (ग) | iv. अधूरी क्रियात्मक शक्ति | 1 |
| (घ) | iii. झुंझलाहट | 1 |
| (ङ) | ii. कथन 1 और 2 | 1 |
| 8. (क) | • मानव जीवन बेहद लघु, पल के समान<br>• क्षणभंगुरता का बोध<br>• विराट/समष्टि से अलग होकर व्यक्ति की सार्थकता | 2x2=4 |
| (ख) | सांस्कृतिक विशेषताएँ–<br>भारत मधुमय है। यहाँ के लोगों का व्यवहार अत्यंत मधुरतापूर्ण है।भारत अनजान लोगों तक को आश्रय प्रदान कर अपनी विशाल हृदयता का परिचय देता है।भारत के लोगों के हृदय में करुणा की भावना है तथा यह आँखों से भी प्रकट होती है। | |
| (ग) | • कवि को सुजान की चाह<br>• सुजान का इंतजार, मिलन की हठ<br>उसे लगता है कि सुजान ने उसकी मौखिक पुकार को भले ही अनुसना कर दिया हो, पर हृदय की मौन पुकार उसे अवश्य बुला लेगी | |

| | | |
|---|---|---|
| | सुजान चाहे अपने कानों में रुई डालकर बैठी रहे, अंत में उसे कवि की पुकार सुननी ही पड़ेगी। | |
| 9. | किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या – <br><br>• संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम)<br>• प्रसंग :1 अंक (पूर्वापर संबंध)<br>• व्याख्या :3 अंक<br>• विशेष :1 अंक | 6 |
| 10. (क) | ii. जिजीविषा | 1 |
| (ख) | i. कठिन परिस्थितियों में भी जीना सीखें। | 1 |
| (ग) | iii. कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। | 1 |
| (घ) | ii. स्वाभिमान | 1 |
| (ङ) | i. अनवरत | 1 |
| 11. (क) | • हरगोबिन असमंजस के कारण दिशाभ्रमित<br>• बड़ी बहुरिया का संदेश माँ को ना सुना पाना<br>• बड़ी बहुरिया के गाँव से चले जाने की कल्पना से व्यथित<br>• इसी कारण गाँव, नदी, झोंपड़ी इत्यादि भी देखने में कठिनाई<br>• बेहोशी की–सी स्थिति | 2x2=4 |
| (ख) | लोलुप युग में सिंगरौली की अपार खनिज संपदा छिपी नहीं रही। कोयले की खदानों और उन पर आधारित ताप विद्युत ग्रहों की एक पूरी श्रृंखला ने प्रदेश को अपने में घेर लिया। जहाँ बाहर से कोई भी व्यक्ति नहीं आता था, वहाँ केंद्रीय और राज्य सरकारों के अफ़सरों, इंजीनियरों और विशेषज्ञों की कतार लग गई। सिंगरौली की घाटी और जंगलों पर ठेकेदारों, वन अधिकारियों और अन्य लोगों का प्रकृति विनाश का आक्रमण शुरू हो गया। | |
| (ग) | दूसरा देवदास पाठ में गंगा तट पर बैसाखी की पूर्व संध्या पर काफी भीड़ थी। आरती में शामिल होने के लिए जन सैलाब उमड़ रहा था। स्वयंसेवक लोगों से सीढ़ियों पर बैठने की विनम्र प्रार्थना कर रहे थे। इस कार्य व्यवहार से आज के युवा वर्ग को यह संदेश मिलता है कि लोगों की भावनाओं की अपेक्षा ना करें तथा भीड़भाड़ वाले स्थान पर स्वयं संयमित रहकर शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। लोगों को कठिनाइयों से बचकर यथासंभव मदद करें। | |
| 12. | किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या–<br><br>• संदर्भ : 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम)<br>• प्रसंग :1 अंक (पूर्वापर संबंध) | 6 |

| | | |
|---|---|---|
| | • व्याख्या :3 अंक<br>• विशेष :1 अंक | |
| 13. (क) | तकनीकी और प्रौद्योगिकी विकास उजाड़ की अपसभ्यता बन चुका है। मालवा प्रदेश की उपजाऊ मिट्टी, वहाँ होने वाली भरपूर वर्षा, सदानीरा और कल–कल बहती नदियों की शोभाशाली स्थिति, उनके उद्गम एवं विस्तार, वहाँ के जनजीवन एवं संस्कृति का सुंदर चित्रण करते हुए लेखक ने उसकी समृद्धि को दर्शाया जो औद्योगीकरण के कारण विनाश की ओर बढ़ रही है। अपनी संस्कृति सभ्यता और उजड़ती धरती को बचाने के लिए हमें संयुक्त रूप से प्रयास करना चाहिए। | 2x5=10 |
| (ख) | नायक- सूरदास<br>विशेषताएँ -<br>• कर्मशीलता<br>• दृढ़ संकल्प<br>• त्वरित निर्णय लेने की क्षमता<br>• सहनशीलता सहृदयता<br><br>सूरदास के चरित्र से प्राप्त प्रेरणा – शिक्षार्थी मतानुसार उत्तर दें। | |
| (ग) | पाठ का मूल कथ्य –<br>• ग्रामीण जीवन एवं प्राकृतिक सौंदर्य की अनूठी प्रस्तुति<br>• ग्रामीण वनस्पतियों, वन्य जीवों एवं लोकमान्यताओं के कारण शहरों से अलग<br>• कमल, कोइयाँ, हरसिंगार के फूलों की महक और उनके औषधीय गुणों का वर्णन | |

>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>>